RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : गुरुवार 05 सितंबर 2024 वर्ष 06 अंक 137 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

गणेशोत्सव या फलोकोत्सव? मंडपों के बाहर बड़ी संख्या में राजनीतिक दलों के विज्ञापन और होर्डिंग

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

बारिश से प्रभावित किसानों को मानदंडों से अधिक देंगे मुआवजा

सीएम एकनाथ शिंदे का बड़ा एलान

मुख्यमंत्री शिंदे और उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने फसलों को हुए नुकसान का किया निरीक्षण

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लातूर जिले की उदगीर तहसील में बारिश के बाद फसलों को हुए नुकसान का निरीक्षण किया और प्रभावित किसानों से उनके खेतों में बातचीत की।

महाराष्ट्र के लातूर जिले के दौरे के दौरान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बड़ी घोषणा की, उन्होंने मराठवाड़ा क्षेत्र में बारिश के कारण बर्बाद हुई फसलों को एनडीआरएफ के मानदंडों से अधिक मुआवजा देने का आश्वासन दिया। सीएम शिंदे ने पत्रकारों से कहा, राज्य सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की तरफ से निर्धारित मानदंडों से भी अधिक संभव मुआवजा देगी।

जल्द से जल्द मुआवजा देने की कोशिश

इस दौरान सीएम एकनाथ शिंदे ने प्रभावित किसानों के लिए राज्य सरकार के समर्थन पर जोर दिया। वहीं डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि फसलों के लिए पंचनामा या क्षति आकलन करने में तेजी लाई जाएगी ताकि जल्द से जल्द मुआवजा दिया जा सके।

नांदेड़ जिले में सबसे अधिक प्रकृति का प्रकोप

अधिकारियों की तरफ से किए गए प्राथमिक आकलन के अनुसार, पिछले तीन दिनों में मराठवाड़ा में बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम दस लोगों की जान चली गई। मूसलाधार बारिश ने सात जिलों में लगभग 11.67 लाख हेक्टेयर भूमि पर फसलों को नुकसान पहुंचाया, जिसमें नांदेड़ में प्रकृति के प्रकोप का सबसे अधिक प्रभाव देखा गया।

मीरा रोड पर अंतरधार्मिक कब्रिस्तान आखिरकार रद्द

भायंदर :- मीरा रोड पर प्रस्तावित इंटरफेथ कब्रिस्तान के विरोध के कारण नगर पालिका ने आखिरकार इस फैसले को रद्द कर दिया है। नगर पालिका ने कहा कि इस स्थान पर पार्क बनाने का प्रयास किया जाएगा। 15 करोड़ रुपये की लागत से सर्वा नंबर 247, मीरा रोड पर एक इंटरफेथ कब्रिस्तान का निर्माण करने का निर्णय लिया गया। लेकिन कब्रिस्तान की घोषणा के बाद इस भूखंड के आसपास के इलाके में रहने वाले नागरिकों में नाराजगी थी.

नागरिक लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे थे. यहां के नागरिकों ने भी मतदान का बहिष्कार करने का एलान कर दिया. विधानसभा चुनाव से पहले ही विधानसभा क्षेत्र में विरोध का माहौल बन रहा है, इस पर विधायक प्रताप सरनाईक ने मोर्चा खोलने का फैसला किया है. सोमवार को कब्रिस्तान के पास रहने वाले नागरिक सरनाईक के कार्यालय गए। इस मौके पर सरनाईक के साथ मनपा आयुक्त संजय काटकर भी मौजूद थे. सरनाईक ने यह कहते हुए कि नागरिकों का विरोध होने पर वह ऐसा कोई काम नहीं करेंगे, काटकर से इस फैसले को वापस लेने का अनुरोध किया। नागरिकों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए आयुक्त काटकर ने इस समय घोषणा की कि वह कब्रिस्तान के निर्णय को रद्द करने के लिए सरकार को एक प्रस्ताव भेजेंगे और इस स्थान पर एक पार्क का निर्माण किया जाएगा।

वर्ली के बाद मलाड में दर्दनाक हादसा,
तेज रफ्तार कार ने महिला को रौंदा, मौत

मुंबईः महाराष्ट्र में हिट एंड रन का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। पुणे और वर्ली का हादसा ताजा ही था कि मलाड में भी एक ऐसा ही मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि मलाड इलाके में एक महिला को कार ने जोरदार टक्कर मार दी और महिला को दूर तक घसीटते हुए लेकर गया। मृतक महिला का नाम शहाना काजी बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, 27 वर्षीय शहाना काजी मेंहदी की क्लास कर मलाड इलाके से घर की ओर जा रही थी। इस दौरान पीछे से आई हाई स्पीड फोर्ड कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी और उसे घसीटते हुए लेकर गया। बताया जा रहा है कि यह हादसा इतना भयानक था कि महिला को बहुत चोटें आईं थी। उसे स्थानीय लोगों की मदद से आनन फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने बुधवार को बताया कि यह दुर्घटना मंगलवार रात गुड़िया पाड़ा इलाके में हुई, जिसके बाद पुलिस ने एसयूवी चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार एसयूवी चालक मर्चेंट नेवी का एक अधिकारी है। मलाड थाने के एक अधिकारी ने बताया, ह्मृतक महिला की पहचान शहाना काजी के रूप में हुई है, जो रात करीब 10 बजे पैदल पथ से गुजर रही थी, तभी फोर्ड एंडेवर कार ने उसे टक्कर मार दी। घटना के बाद आरोपी शहाना को पास के अस्पताल ले गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।''

नालासोपारा छात्रा दुष्कर्म मामला: आरोपियों की संख्या में बढ़ोतरी

वसईः नालासोपारा के अवधेश विकास यादव स्कूल की नाबालिग लड़की से रेप मामले में आरोपियों के खिलाफ सजा बढ़ा दी गई है. मामले में आरोपी प्रिंसिपल और सुपरवाइजर के खिलाफ शिवसेना ठाकरे समूह द्वारा आंदोलन की चेतावनी के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की.

यादवेश विकास इंग्लिश स्कूल संतोषभुवन, नालासोपारा पूर्व में स्थित है। इस स्कूल में 9वीं क्लास में पढ़ने वाली 14 साल की छात्रा के साथ स्कूल टीचर अमित दुबे पिछले 5 महीने से रेप कर रहा था. पुलिस ने उस पर रेप और ढडउरड के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया था. लेकिन स्कूल के प्रिंसिपल विकास यादव और सुपरवाइजर संतलाल यादव ने इस बात को छिपा लिया. 2022 में दुबे पीड़ित लड़की का यौन उत्पीड़न कर रहा था. यह घटना पीड़ित छात्रा ने सुपरवाइजर संतलाल यादव और प्रिंसिपल विकास यादव को बताई. लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज कर दिया. जब पीड़ित छात्रा का भाई इस बात की जानकारी लेने गया तो प्रधानाध्यापक विकास

यादव ने उसकी पिटाई कर दी. अब भी रेप की घटना के बाद इन दोनों ने मामला निपटाने को कहा था. लोगों के आक्रोश के बाद पेल्हार पुलिस ने ताजा पूरक बयान दर्ज करने के बाद प्रिंसिपल विकास यादव और पर्यवेक्षक संतलाल यादव के खिलाफ POCSO की धारा 21 (2) और भारतीय दंड संहिता की धारा 115 (2) 351 (2) के तहत मामला दर्ज किया।

लेकिन चूंकि ये धाराएं छोटी हैं और इसमें सिर्फ 2 साल की सजा का प्रावधान है, इसलिए इन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सका. इसके चलते शिवसेना ठाकरे समूह ने चेतावनी दी थी कि इस धारा को बढ़ाया जाए नहीं तो आंदोलन किया जाएगा. शिवसेना की यह मांग सफल रही और पुलिस ने धाराएं बढ़ा दीं. अब प्राचार्य और सुपरवाइजर के खिलाफ धारा 17 और 19 बढ़ा दी गई है। संतोष की बात है कि पुलिस ने धाराएं बढ़ा दी हैं। लेकिन पूरे मामले की एसआईटी जांच की हमारी मांग बनी हुई है. शिव सेना ठाकरे समूह के जिला महासचिव एडवोकेट अनिल चव्हाण ने कहा कि स्कूल अनधिकृत है और इसके खिलाफ कार्रवाई के लिए हमारी लड़ाई जारी रहेगी. आरोपी अमित दुबे फिलहाल न्यायिक हिरासत में है. पुलिस उपनिरीक्षक जावेद मुल्ला ने बताया कि हम इस मामले की गहन जांच कर रहे हैं।

ठाणे जिले में दर्दनाक हादसा... बिस्कुट कारखाने में मासूम की मौत से मचा हडकंप !

ठाणेः महाराष्ट्र के ठाणे जिले में दिल दहला देनेवाला हादसा सामने आया है। बताया जा रहा है कि जिले के एक बिस्कुट के कारखाने में मशीन की बेल्ट में फंस जाने से तीन वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। यह घटना सोमवार को अंबरनाथ में हुई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। अंबरनाथ पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया, ''आयुष चौहान अपनी मां के साथ बिस्कुट के कारखाने गया था, जहां उसकी मां टिफिन पहुंचाती है। बच्चे ने मशीन की बेल्ट से एक बिस्कुट उठाने की कोशिश की और वह उसमें फंस गया। कारखाने के कर्मचारियों ने उसे बाहर निकाला और नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।''

दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज

पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित के शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया है और दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया है।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

शहरों का आर्थिक वजूद

बहस के विषयों में राजनीतिक नापतोल अक्सर उचित-अनुचित पर गौर न करके, संभावनाओं की मयार्दा को गौण कर देता है। प्रदेश में आर्थिक संकट पर विधानसभा के मुख्य द्वार पर एक महीन सी लक्ष्मण रेखा है, जो हर वाकआउट के तर्क में आर्थिक विडंबनाएं देखती है। प्रश्नकाल के सवाल पर प्रदेश का हाल देखती है। बजट में अकाल और खर्च में भूचाल देखती है। सवाल यह कि हिमाचल ने अपनी अर्थव्यवस्था को न देखा और न ही जानने की कोशिश की। केंद्र की नीतियों के सहारे 'हम डबल इंजन सरकार' बनकर तो लंबे समय तक नहीं जीत सकते। ऐसे में उजड़े दरख्त के नीचे घास को भी रोना आता होगा, लेकिन सियासत जब उखड़ती है तो हिमाचल की आपदा में प्रधानमंत्री का दौरा भी नसीब नहीं होता। खैर राजनीति से इतर भी हमने प्रदेश की मिट्टी को इतना लाल कर दिया है कि राज्य के प्रयास भी केंद्र की मुखबिरी करते हैं। हम उसी एहसास में जीते हैं या जीने की कोशिश करते हैं जो केंद्र से रहमत बनकर मिलते हैं। बड़ा जोश और जोर है जब मनाली या शिमला से निकलते फोरलेन चंडीगढ़ का कम समय में आलिंगन करते हैं। यह जरूरी रफ्तार हो सकती है, लेकिन इतनी भी जरूरी नहीं कि बिलासपुर, कुल्लू या मंडी जैसे शहरों को दरकिनार करते हुए निकल जाए। कल पठानकोट से मंडी के बीच यात्रा का समुद्र ज्वारभाटा बनेगा, तो नूरपुर, शाहपुर, कांगड़ा, नगरोटा बगवां, बैजनाथ व जोगिंद्रनगर जैसे शहरों के व्यापार का बागवां कहां बचेगा। तरक्की के अपने आईने हैं और यह वक्त की आवश्यकता के अनुरूप बनते व संवरते हैं, लेकिन हर विकास को समझने की जरूरत है।

फोरलेन से बाइपास हो रहे शहरों की आर्थिकी का अध्ययन करने के लिए शहरी विकास मंत्रालय की योजना में कुछ तो चिंता होनी चाहिए। कुल्लू शहर की गलियों में आज होटल उदास हैं या व्यापार फिक्रमंद है, तो कुछ नए बंधन की जरूरत है। अंततः व्यापारी को निवेशक का दर्जा देते हुए फोरलेन के दर्द को उजड़ते शहरी आर्थिकी में समझना होगा। बेशक फोरलेन पर काफिला नई अर्थव्यवस्था लेकर आएगा, लेकिन जहां मंजिलें उजड़ रही हैं, उनके लिए भी उपचार चाहिए। इससे पूर्व प्रदेश में शिक्षा व चिकित्सा की दौड़ में जब बड़े सपने देखे गए, तो हम दौड़ते-दौड़ते यह भूल गए कि कुछ तो पहले भी असर था। यानी हमने कालेजों की दौड़ को विश्वविद्यालय के प्रांगण में ले जाकर खत्म कर दिया। मेडिकल कालेजों की तादाद में क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों की आहुति दे डाली। आईजीएमसी के कंधों पर टीएमसी बैठाया, तो आसपास के कई हॉस्पिटल डिस्पेंसरी से भी बदतर साबित हो गए। टीएमसी कभी चंबा मेडिकल कालेज के रोग को थामता, तो कभी हमीरपुर मेडिकल कालेज की लाज बचाता, अंततः डाकिया बन गया, जहां कभी शांता कुमार जैसे दिग्गज नेता को विश्वास करके अपनी धर्मपत्नी का साथ गंवाना पड़ा था।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

भिवंडी - हेट स्पीच मामले में बीजेपी विधायक नितेश राणे के खिलाफ भिवंडी में मामला दर्ज

मुस्तकीम खान संवाददाता

भिवंडी : नफरत फैलाने वाला भाषण देने के आरोप में भारतीय जनता पार्टी के विधायक नितेश राणे के खिलाफ भिवंडी पुलिस ने तहरीक-ए- फारोग इस्लाम संस्था की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। भिवंडी भोईवाड़ा पुलिस ने मंगलवार को विधायक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 302 (जानबूझकर किसी व्यक्ति की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से बोलना आदि) और 351 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया गया।

बतादें कि नितेश राणे ने एक सितंबर को हिंदू संत महंत रामगिरी महाराज के समर्थन में अहमदनगर जिले के श्रीरामपुर और तोपखाना इलाके में आयोजित दो जनसभाओं को संबोधित किया था।

पिछले महीने संत रामगीरी ने इस्लाम और पैगंबर के बारे में अपमानजनक टिप्पणी को लेकर भी सुर्खियों में रहे थे। पुलिस के अनुसार नितेश राणे पर मामला दर्ज कर भिवंडी से अहमदनगर जिला हस्तांतरित किया जाएगा ,जहां पर यह कथित नफरती भाषण दिया गया था। तहरीक-ए- फारोग इस्लाम संस्था की ओर से मुफ्ती साजिद पटेल, मौलाना अब्दुल मतीन, सय्यद जीशान, सय्यद अमान, अफसर शेख, आबिद बोबडे, हसन मोमीन, शाहबाज मोमीन, हुसेन अन्सारी, जफर मोमीन, हरिरा अन्सारी, सलमान मोमीन उपस्थित थे।

भंडारा जिले में बाघ के हमले में चरवाहे की मौत

भंडारा : महाराष्ट्र के भंडारा जिले में बाघ के हमले से एक चरवाहे की मौत हो गई। वन विभाग के एक अधिकारी ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि भंडारा जिले के पौनी वन रेंज में गोसीखुर्द बांध के पास कुसन अवसरे रविवार को अपने मवेशियों को चरा रहा था, तभी झाड़ियों से निकले एक बाघ चरवाहे पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

महा विकास अघाड़ी शिवाजी की मूर्ति ढहने पर विवाद पैदा कर रहीः भाजपा

मुंबई : भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने आरोप लगाया है कि विपक्षी महा विकास अघाड़ी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने को लेकर राज्य में विवाद पैदा कर रही है।

मुंबई विश्वविद्यालय महासभा चुनाव- ठाकरे समूह एकजुट

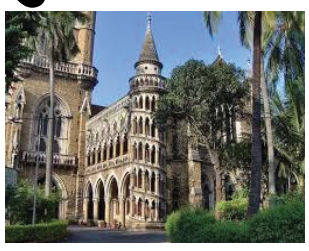

मुंबईः मुंबई विश्वविद्यालय के पंजीकृत स्नातक समूह के आम विधानसभा चुनाव को जीतने के लिए, छात्र संघों ने अपना वोट मार्च तेज कर दिया है। कुल 28 उम्मीदवार मैदान में हैं और युवा सेना (ठाकरे समूह) और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा प्रायोजित विश्वविद्यालय विकास मंच के माध्यम से सभी 10 सीटों के लिए नामांकन दाखिल किए गए हैं। इसलिए, छात्र भारती, बहुजन विकास अगाड़ी और अन्य निर्दलीय उम्मीदवारों ने युवा सेना (ठाकरे समूह) और एबीवीपी के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक अलग 'पैनल' बनाने के लिए गठबंधन करना शुरू कर दिया है।

पंजीकृत स्नातक समूह का आम सभा चुनाव कुल 10 सीटों के लिए 22 सितंबर को होगा. 25 सितंबर को किला परिसर में सर कावसजी जहांगीर दीक्षांत समारोह हॉल में परिणाम घोषित किए जाएंगे। कुल 28 उम्मीदवारों में से 10 उम्मीदवार युवा सेना (ठाकरे समूह) और एबीवीपी से हैं। बहुजन विकास अघाड़ी से 4, छात्रभारती विद्यार्थी संगठन से 1, मनसे के 1 राज्य सचिव और 2 लोगों ने व्यक्तिगत रूप से आवेदन दाखिल किया है। छात्र भारती, बहुजन विकास अघाड़ी और बाकी निर्दलीय इन दोनों संगठनों से मुकाबले के लिए कमर कस रहे हैं. महाराष्ट्र नवनिर्माण विद्यार्थी सेना और युवा सेना के शिंदे समूह ने किसी भी सीट के लिए अपनी उम्मीदवारी दाखिल नहीं की है. तो आखिर ये दोनों संगठन किसका समर्थन करते हैं, इस पर सबकी नजर है. ''अधिसभा चुनाव में वरीयता क्रम महत्वपूर्ण है। इसलिए, सभी निर्दलियों को एक साथ लाकर एक नया 'पैनल' बनाने का प्रयास किया जा रहा है,'' छात्र भारती विद्यार्थी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रोहित ढाले ने कहा। बहुजन विकास अघाड़ी के पदाधिकारी सानिल मोसेकर ने कहा, 'छात्र भारती और बहुजन विकास अघाड़ी के बीच गठबंधन लगभग तय है और हम निर्दलियों के साथ एक पैनल बनाएंगे।' ठाकरे समूह की युवा सेना ने 2010 में अधिसभा चुनाव में 10 में से 8 सीटें और 2018 में सभी 10 सीटें जीती थीं।

भिवंडी में पर्यावरण के अनुकूल गणेशोत्सव पर्व मनाने की मनपा आयुक्त की अपील

मुस्तकीम खान संवाददाता

भिवंडी : भिवंडी महानगरपालिका आयुक्त अजय वैद्य ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि गणेशोत्सव पर्व पर्यावरण के अनुकूल मनाया जाए, मूर्ति और सजावट पर्यावरण के अनुकूल हो जो पर्व के बाद पूरी तरह से नष्ट किया जा सके जिससे पर्यावरण को नुक्सान न पहुंचे, आयुक्त अजय वैद्य ने कहा कि गणेशोत्सव पर्व पर बनाए जाने वाली झांकी में पर्यावरण विषय पर जागरूकता दिखाया जाए, और गणेश मूर्ति का विसर्जन कृत्रिम तालाब में किया जाए, नैसर्गिक तालाब या नदी में विसर्जित करने से बचा जाए ताकि पर्यावरण बना रहे, और जल प्रदुषण न हो, अजय वैद्य ने कहा की सोसायटी के परिसर अथवा मोहल्ले में कृत्रिम तालाब बनाकर विर्सजन किया जाए,

नांदेड़ में कोचिंग सेंटर में शिक्षक ने की छात्रा से छेड़छाड़

नांदेड़ : महाराष्ट्र के नांदेड़ शहर में एक निजी कोचिंग सेंटर के शिक्षक ने छात्रा के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ की, जिसके विरोध में स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया। पुलिस के मुताबिक पीड़िता ने अपने माता-पिता को दो सितंबर (सोमवार) को हुई छेड़छाड़ की इस घटना के बारे में बताया। इस मामले में पीड़ित छात्रा की शिकायत के आधार पर शिक्षक नागेश जाधव के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो अधिनियम) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। वहीं कथित छेड़छाड़ की खबर फैलते ही गुस्साए स्थानीय लोग सोमवार को कोचिंग सेंटर पर एकत्र हो गए और तोड़फोड़ की। कोचिंग सेंटर में तोड़फोड़ के खिलाफ अभी तक कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

एमएसआरटीसी कर्मियों की हड़ताल... गणेशोत्सव के लिए कोकण जाने वाले यात्रियों में अफरा-तफरी

मुंबई : गणेशोत्सव के लिए कोकण जाने वाले यात्रियों में अफरा-तफरी मची है। मंगलवार को जो लोग बस डिपो पहुंचे थे, उन्हें महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) कर्मियों की हड़ताल का सामना करना पड़ा। हालांकि, मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई में हड़ताल का कोई असर नहीं दिखा, लेकिन कल्याण और विट्ठलवाडी बस डिपो पूरी तरह बंद रहे।

मंगलवार को 11 यूनियनों ने हड़ताल बुलाई थी। जिसमें राज्यभर के कर्मचारी शामिल हुए। राज्य के 251 बस डिपो में से 59 बुरी तरह से प्रभावित हुए, जिनमें मुंबई से सटे कल्याण और विठलवाडी भी शामिल हैं। हड़ताल के कारण 15 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान जताया गया है। इंडस्ट्रियल कोर्ट ने हड़ताल को अवैध करार देते हुए कर्मचारियों को तुरंत काम पर लौटने का आदेश दिया है। सूत्रों का कहना है कि हड़ताल बुधवार को भी जारी रह सकती है।

11, 943 सेवाएं हुईं रद्द

22,389 सेवाओं में से मंगलवार को 11,943 सेवाएं रद्द रहीं। दिनभर में लगभग 50 फीसदी बस सेवाएं प्रभावित हुईं। मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई डिपो में सेवाएं चालू थी, लेकिन बसें देरी

से आने की वजह से डिपो में भीड़ हो गई थी। सुबह केवल चार बसें मुरुड, गुहागर और भिवंडी के लिए कल्याण और विट्ठलवाडी डिपो से निकलीं। इससे यात्रियों को काफी असुविधा हुई।

डोंबिवली निवासी रमेश जाधव, पत्नी के साथ गणेशोत्सव के लिए कोकण वाले थे। वह विट्ठलवाडी डिपो पहुंच गए, लेकिन वहां जाकर उन्हें निराशा हाथ लगी। उन्होंने बताया कि जब वह पत्नी के साथ एसटी डिपो पहुंचे, तो हड़ताल के बारे में पता चला। एक घंटे तक इंतजार करने के बाद जब बसों के शुरू होने की कोई उम्मीद नजर नहीं आई, तो वह निराश होकर घर लौट गए। वहीं, ठाणे निवासी सुनील देसाई ने कहा, 'हम गृहनगर में त्योहार की तैयारियों को मिस नहीं कर सकते, इसलिए हमने वैकल्पिक सेवाओं का चयन करने का निर्णय लिया है।' पनवेल डिपो मंगलवार को चालू था। हालांकि, बसों के आगमन और प्रस्थान में देरी से यात्रियों में घबराहट पैदा हो गई थी। चिपलून निवासी किशोर राउत (45) ने कहा, 'मुझे गंतव्य के लिए बस पकड़ने के लिए एक घंटे से अधिक इंतजार करना पड़ा।'

एमएसआरटीसी ने अपने कर्मचारियों से अपील की है कि ऐसा कोई कदम न उठाएं, जिससे यात्रियों को असुविधा हो। खासकर ऐसे गणेश उत्सव के दौरान, जब कई लोग यात्रा के लिए एसटी बसों पर निर्भर होते हैं। राज्यभर के डिपो में बस सेवाएं प्रमुख रूप से प्रभावित हुईं, जिनमें लातूर, नांदेड, पुणे जिले के कुछ हिस्से, सांगली, सतारा, नासिक और जलगांव जिले शामिल हैं।

अचानक हड़ताल होने के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 4 सितंबर को शाम 7 बजे स'ाद्री गेस्ट हाउस में सभी हड़ताली एमएसआरटीसी यूनियनों के साथ बैठक बुलाई है। उन्होंने यूनियनों की मांगों पर चर्चा करने और मुद्दे को हल करने का प्रयास करने का निर्णय लिया है।

नवी मुंबई: गणेशोत्सव से पहले गड्ढों की मरम्मत में तेजी...

नगर पालिका का दावा 95 प्रतिशत गड्ढों की मरम्मत

नवी मुंबईः गणराया के आगमन से पहले, शहर अभियंता विभाग ने बप्पा के आगमन को ध्यान में रखते हुए नवी मुंबई नगर निगम क्षेत्र में बारिश के मौसम के दौरान हुए गड्ढों की मरम्मत करके सभी खंडों में सड़कों को बेहतर बनाने का काम शुरू कर दिया है। सुचारू रूप से. नगर पालिका ने दावा किया है कि 95 फीसदी गड्ढे दुरुस्त कर दिए गए हैं। नवी मुंबई शहर में बारिश के कारण कई जगहों पर गड्ढे देखने को मिले, नगर निगम के सभी विभागों की मुख्य सड़कों और आंतरिक सड़कों को गड्ढों से मुक्त कर दिया गया है. इसी तरह शेष पांच प्रतिशत सड़कों को भी दिन-रात एक कर गड्ढा मुक्त

किया जा रहा है। नामुम्पा आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के निदेर्शानुसार एवं अतिरिक्त आयुक्त एवं शहर अभियंता शिरीष अरडवाड के मार्गदर्शन के अनुसार, कार्यकारी अभियंता सहित सभी अभियंता सड़क सुधार कार्य स्थल पर उपस्थित हैं और इस कार्य पर कड़ी नजर रख रहे हैं. वैज्ञानिक ढंग से गड्ढों की मरम्मत करते समय गड्ढों के आकार के अनुसार छोटे गड्ढों के लिए ठंडे मिश्रण का उपयोग किया जाता है और यदि कोई बड़ा पैच है तो उसकी मरम्मत के लिए डामरीकरण या मैस्टिक का उपयोग किया जा रहा है। इसी तरह कुछ बड़े आकार के गड्ढों को ठीक करने के लिए कंक्रीट मिक्स या इंटरलॉक का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। गड्ढों की मरम्मत करते समय इस बात पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है कि सड़क का लेवल एवं गड्ढे में भरी सामग्री का लेवल एक समान रहे तथा गड्ढों की मरम्मत के लिए नगर अभियंता के माध्यम से इस बात का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया गया है कि दोबारा कोई गड्ढा न हो. नवी मुंबई नगर निगम ने शहर में गड्ढों की मरम्मत शुरू कर दी है।

महाराष्ट्र के इन तीन क्षेत्रों में होगा बदलाव! क्या हो सकता है रिजल्ट... सर्वे ने चौंकाया

मुंबई : लोकसभा चुनाव में महायुति का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था. इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में भी महायुति को कई चुनौती का सामना करना पड़ रहा है. महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों पर इस समय सभी की निगाह टिकी हुई है. हालांकि एकनाथ शिंदे की सरकार के सामने विधानसभा चुनावों में भी कम चुनौती नहीं है. अगस्त महीने में हुए एम्पिरीकल और मास सर्वे के अनुसार, महाविकास आघाडी ने विदर्भ, पश्चिम महाराष्ट्र और मराठावाड़ा में अपनी पकड़ बना ली है. महायुति का विदर्भ, पश्चिम महाराष्ट्र और मराठावाड़ा में कमजोर होना चिंता के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि यहां पर विधानसभा की 170 सीटें हैं. सर्वे में अनुमान लगाया जा रहा है कि महायुति को 123 सीटें और महाविकास आघाडी को 152 सीटें मिल सकती हैं. सर्वे में शामिल वरिष्ठ सेफोलॉजिस्ट दयानंद नेने ने दावा किया है कि पिछले 10 सालों में बीजेपी ने विदर्भ में अच्छा किया है, लेकिन इस बार यहां कांग्रेस की लहर दिख रही है. सोयाबीन और कपास की खेती करने वाले किसान सरकार से खफा हैं. उनका कहना है कि उन्हें समय से मुआवजा नहीं मिला है.

मराठावाडा में बीजेपी के लिए राह आसान नहीं है. मनोज जरांगे पाटिल ने बीजेपी के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं. यहां पर विधानसभा की 46 सीटें हैं. ऐसे में अगर महायुति यहां पर मजबूती से चुनाव नहीं लड़ती है तो उनका सत्ता में वापस आना मुश्किल होगा.

बता दें कि बीजेपी को 2019 के चुनावों में मराठावाडा में 16 सीटें मिली थीं. जबकि बीजेपी ने 2019 में 15 सीट जीती थी. अगर पश्चिम महाराष्ट्र की बात करें तो बीजेपी पुणे में मजबूत है. हालांकि पार्टी बारामती, सतारा और सोलापुर में कमजोर हैं. ऐसे में बीजेपी के लिए ये भी एक बड़ी चुनौती है. अगर बीजेपी को फिर से सत्ता में वापसी करनी है तो उन्हें तीनों क्षेत्रों में बेहतर करना होगा.

लड़की बहिन योजना के लिए नामांकन की तिथि बढ़ाई गई

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने लड़की बहिन योजना के तहत नामांकन की समय सीमा 30 सितंबर तक बढ़ा दी है। इस योजना के तहत वंचित महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये का भत्ता दिया जाता है। राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत नामांकन की समय सीमा शुरू में 31 जुलाई तक थी, जिसे संभावित लाभार्थियों की ओर से बड़ी संख्या में आवेदन आने के कारण 31 अगस्त तक बढ़ा दिया गया था। वहीं योजना को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया को देखते हुए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है।

सर्वे में कांग्रेस की स्थिति अच्छी दिख रही... मराठावाडा और पश्चिम महाराष्ट्र में कठिन चुनौती

मुंबईः लोकसभा चुनावों में बड़े उलटफेर के बाद महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। राज्य में ठीक एक महीने बाद चुनावों का बिगुल बजने की उम्मीद है लेकिन राज्य में सत्तारूढ़ महायुति के तीन हिस्से चुनौती बने हुए हैं। अगस्त महीने में महाराष्ट्र के सियासी नब्ज को टटोलने के लिए सर्वे में विदर्भ, पश्चिम महाराष्ट्र और मराठावाड़ा में महाविकास आघाडी हावी है, इसके उलट उत्तर महाराष्ट्र, मुंबई और इससे सटे हुए मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (टटफठाणे और कोंकण) में महायुति की स्थिति ठीक है। विदर्भ, पश्चिम महाराष्ट्र और मराठावाड़ा में महायुति की स्थिति कमजोर होने को इसलिए चिंता के तौर पर देखा जा रहा क्यों राज्य के इन तीन हिस्सों में 170 सीटें हैं। अगस्त के आखिर में हुए सर्वे में महायुति को 123 सीटें और महाविकास आघाडी को 152 सीटें मिलने का अनुमान सामने आया है। राज्य में बदलापुर की घटना और फिर सिंधुदुर्ग जिले में शिवाजी महाराज का स्टैच्यू गिरने की

घटनाओं का असर इस सर्वे में शामिल नहीं है।

मुंबई समेत महाराष्ट्र के 35 जिलों का सर्वे करने वाले महाराष्ट्र के वरिष्ठ सेफोलॉजिस्ट दयानंद नेने कहते हैं कि पिछले 10 सालों में बीजेपी ने विदर्भ में बहुत अच्छा किया था, लेकिन अब यहां पर कांग्रेस की लहर दिख रही है। सोयाबीन और कपास की खेती करने वाले किसान सरकार से नाराज हैं। उनका कहना है कि उन्हें फसल का नुकसान होने पर सरकार से मुआवजा नहीं मिला। जब सरकार ने मुआवजा दिया भी तो उसमें बहुत देरी की। लोकसभा चुनावों में बीजेपी के अगुवाई वाले महायुति को विदर्भ में धक्का लगा था। नेने कहते हैं हालात अभी लगभग वैसे ही हैं। विदर्भ में विधानसभा की 62 सीटें हैं। 2019 में बीजेपी ने विदर्भ में 29 सीटें जीती थीं, जबकि 2014 में उसे यहां पर 44 सीटें मिली थीं। तब बीजेपी ने महाराष्ट्र में अपने उच्चतम स्कोर 122 पर पहुंची थी।

विदर्भ में किसान तो मराठावाडा में मनोज जरांगे पाटिल बीजेपी की मुश्किल बढ़ाए हुए हैं। ऐसे में महायुति की शिंदे की अगुवाई वाली सरकार कैसे मराठवाड़ा में अपने पकड़ मजबूत करेगी। यह एक बड़ी चुनौती है। लोकसभा चुनावों में यहां की आठ लोकसभा सीटों में बीजेपी एक भी नहीं जीत पाई थी। सात सीटें महाविकास आघाडी को मिली थीं। एक सीट शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना को मिली थी। मराठावाडा में विधानसभा की 46 सीटें हैं। ऐसे में मराठावाडा में अगर बीजेपी के अगुवाई वाले महायुति को मजबूती नहीं मिलती है तो सत्ता में लौटने की राह मुश्किल होगी। 2019 के चुनावों में बीजेपी को मराठावाडा में 16 सीटें मिली थीं।

किशोरी पर एसिड अटैक की धमकी देने पर एक आरोपी गिरफ्तार

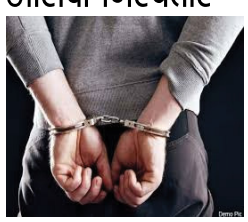

मुंबई : मुंबई में नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ और एसिड फेंकने की धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किय गया है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि 38 साल का एक व्यक्ति छह अगस्त से 28 अगस्त के बीच कई बार लड़की से छेड़छाड़ कर चुका था।

ठाणे: घोड़बंदर इलाके में भारी वाहन पलटने से घोड़बंदर रोड पर यातायात ठप

ठाणे: घोड़बंदर में पाटलिपाड़ा फ्लाईओवर के पास दो भारी वाहन पलट गए, घोड़बंदर रोड पर यातायात ठप हो गया है. इस ट्रैफिक जाम के कारण कुछ वाहन चालक विपरीत दिशा में वाहन चला रहे हैं। इससे दुविधा और बढ़ रही है.

यातायात पुलिस ने नागरिकों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने और विपरीत दिशा में वाहन न चलाने की अपील की है। कंटेनर रसायन से भरा बैग लेकर ठाणे से घोड़बंदर की ओर जा रहा था। इस गाड़ी में 35 टन तक वजनी बैग था. बुधवार रात करीब 2 बजे जब कंटेनर पाटलीपाड़ा फ्लाईओवर के पास था, तभी ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और कंटेनर पलट गया.

तभी यहां एक और भारी वाहन पलट गया. इसका असर परिवहन व्यवस्था पर पड़ा. बुधवार की सुबह 10 बजे के बाद भी दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाना संभव नहीं हो सका, क्योंकि दुर्घटनाग्रस्त वाहन में भारी मात्रा में सामान था. इस सड़क पर यातायात की भीड़ के कारण, कुछ मोटर चालक विपरीत दिशा में गाड़ी चलाने लगे। ऐसे में दोनों सड़कों पर दिक्कत है। पुलिस ने वाहन चालकों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने और विपरीत दिशा में वाहन न चलाने की अपील की है।

गणेशोत्सव या फलोकोत्सव? मंडपों के बाहर बड़ी संख्या में राजनीतिक दलों के विज्ञापन और होर्डिंग

वसई: गणेशोत्सव बस कुछ ही दिन दूर है और हर तरफ तैयारियां चल रही हैं. हालाँकि, यह पाया गया है कि सड़कों को अवरुद्ध कर दिया गया है और मंडपों का निर्माण किया गया है। मंडपों के बाहर बड़ी संख्या में राजनीतिक दलों के विज्ञापन और होर्डिंग लगाए गए हैं. तो सवाल खड़ा हो गया है कि ये गणेशोत्सव है या फलकोत्सव. नगरपालिका ने गणेशोत्सव मनाने के लिए सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों के लिए एक आचार संहिता निर्धारित की थी। लेकिन बोर्ड द्वारा इसका पालन होता नहीं दिख रहा है. वर्तमान में जगह की कमी के कारण सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों ने मंडप स्थापित कर लिये हैं। उस क्षेत्र में विज्ञापनदाताओं और राजनीतिक दलों के होर्डिंग लगाए गए हैं। जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, विभिन्न राजनीतिक दलों और संभावित उम्मीदवारों ने गणेशोत्सव मंडल पर जमकर पैसा बहाया है। इसलिए विज्ञापन बोर्ड बेमानी हो गया है। नागरिकों ने नाराजगी जताई है क्योंकि इन होर्डिंग्स के कारण शहर बदरंग हो गया है. इनमें से अधिकतर होर्डिंग अवैध हैं. नागरिकों की मांग है कि शहर की बदनामी रोकने के लिए ऐसे अवैध होर्डिंग के खिलाफ कार्रवाई की जाए. गणेशोत्सव मंडलों को स्थानीय वार्ड समिति के माध्यम से विज्ञापन बोर्ड लगाने की अनुमति दी जाती है। उपायुक्त (विज्ञापन) विशाखा मोटघरे ने बताया कि यदि अवैध बोर्ड लगे हैं तो वार्ड समिति के माध्यम से उनके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी.

मंडप स्थान को अवरुद्ध कर रहा है, यातायात को बाधित कर रहा है

इस वर्ष गणेशोत्सव मंडलों को सभी अनुमतियाँ एक ही खिड़की योजना के माध्यम से दी गईं। यातायात पुलिस, अग्निशमन विभाग और स्थानीय पुलिस से अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलने के बाद नगर पालिका मंडप निर्माण की अंतिम अनुमति देती है। इसके लिए इस बात का ध्यान रखना जरूरी था कि सड़क पर यातायात बाधित न हो, शैक्षणिक संस्थान और पैदल चलने वालों को परेशानी न हो। अग्निशमन विभाग से यह पुष्टि करने के बाद अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने की अपेक्षा की गई थी कि बिजली को भी आधिकारिक तौर पर जोड़ा जाना आवश्यक है। लेकिन इन सभी नियमों का उल्लंघन होने के बावजूद नगर पालिका ने अनुमति दे दी है. नालासोपारा, वसई, विरार में सड़क को अवरुद्ध कर मंडप खड़ा कर दिया गया है और कई स्थानों पर अवैध बिजली कनेक्शन कर दिए गए हैं। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय पुलिस से प्रमाण पत्र मिलने के बाद ही हमने अनुमति दी।

भिवंडी में एक्सपायर सौंदर्य प्रसाधन... मामला दर्ज

ठाणे: एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जहां एक्सपायर्ड कॉस्मेटिक आइटम्स को स्टोर करके रखा जा रहा है और उन पर नए स्टीकर चिपकाकर बेचे जा रहे हैं. इस संबंध में दोनों के खिलाफ नारपोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और पुलिस ने उनकी करीब करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है. कंपनी मैनेजर जतिन शर्मा (25) और सुरेश विश्वकर्मा (52) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। नारपोली पुलिस को सूचना मिली कि भिवंडी के ओवली गांव के पास सागर कॉम्प्लेक्स के एक गोदाम में एक्सपायर्ड कॉस्मेटिक उत्पाद बेचे जा रहे हैं। पुलिस टीम ने जब गोदाम का निरीक्षण किया तो पता चला कि गोदाम में एक्सपायरी डेट का कॉस्मेटिक सामान बेचा जा रहा था. साथ ही इन एक्सपायर्ड वस्तुओं पर नई एक्सपायरी डेट वाले स्टीकर भी चिपका दिए गए थे। इस संबंध में नारपोली पुलिस स्टेशन में जतिन शर्मा और सुरेश विश्वकर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

भिवंडी के पास पडघा में बस चालक, सहायक गिरफ्तार

मुंबई: कुछ दिन पहले, 30 तोतों (गुलाब की अंगूठी वाले तोते) और तीन कापशी घरियों की तस्करी करने वाली एक पर्यटक बस को ठाणे वन विभाग ने रोक लिया था, जिसे मालेगांव से भिवंडी के पडघा में क्रॉफर्ड मार्केट में ले जाया जा रहा था। बस से तोता और कपास जब्त करने के बाद ड्राइवर और सहायक सहित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। वन्यजीव कल्याण संघ (डब्ल्यूडब्ल्यूए), पडघा रेंज के वन अधिकारियों को सूचना मिली कि पक्षियों की तस्करी की जा रही है। तदनुसार, उन्होंने भिवंडी के पडघे में एक बस को रोका और तोते और घड़ी को बचाया। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की गई तो पता चला कि तोते और घारी की तस्करी मालेगांव से की गई थी. वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पशु-पक्षी तस्करों की तलाश की जा रही है. इस बीच, स्थानीय पुलिस की मदद से बस को पडघा टोल बूथ पर रोका गया और वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ-साथ डब्ल्यूडब्ल्यूए के सदस्यों से ठाणे शहर में छोड़ने का अनुरोध किया गया। जैसे ही बस मुंब्रा टोल बूथ पर पहुंची तो बस का निरीक्षण किया गया. उस वक्त बस ड्राइवर के केबिन में 30 तोते और तीन तोते मिले थे. बस ड्राइवर ने पूछताछ में बताया कि पक्षियों को मुंबई के क्रॉफर्ड मार्केट के पास मदनपुरा में छोड़ा जाएगा। इसके बाद बस को तीन हाट नायक के पास ठाणे वन विभाग कार्यालय ले जाया गया। बस में सवार अन्य यात्रियों को रिहा कर दिया गया और बस को कब्जे में ले लिया गया।

वन विभाग के अधिकारी चालक और खलासी को गिरफ्तार कर वन कार्यालय ले गये. इस मामले में पडघा परिक्षेत्र वन कार्यालय में मामला दर्ज कराया गया है.

नागपुर में बुराई भागने का उत्सव

नागपुर : बुराई को हराने का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर शहरभर में विशेष आयोजन किए गए, जिसमें लोगों ने मिलकर बुराई के प्रतीक के रूप में पुतले को जलाया। यह परंपरागत उत्सव हर साल बड़े उल्लास के साथ मनाया जाता है और इसमें स्थानीय लोग, बच्चे और बुजुर्ग शामिल होते हैं। उत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य और गीतों का आयोजन भी हुआ, जिसने वातावरण को और भी रंगीन बना दिया। इस आयोजन के माध्यम से लोगों ने बुराई पर अच्छाई की जीत और सामाजिक एकता का संदेश दिया।

राज्य मनोरोग अस्पतालों में 500 रिक्तियां; पिछले कई महीनों से खाली हैं पद

मुंबई: राज्य सरकार ने मानसिक रूप से बीमार रोगियों के इलाज के लिए ठाणे, पुणे, नागपुर और रत्नागिरी में मनोरोग अस्पताल शुरू किए हैं। इन मनोरोग अस्पतालों में आने वाले रोगियों की संख्या में वृद्धि के बावजूद, इन

अस्पतालों में विभिन्न श्रेणियों में 500 पद पिछले कई महीनों से खाली पड़े हैं। इन पदों के खाली होने से अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं और कार्यरत स्टाफ तनावग्रस्त हो रहा है.

देश भर से जो लोग मानसिक आघात या पूर्ण मानसिक असंतुलन से पीड़ित हैं, उन्हें इलाज के लिए राज्य के सरकारी मनोरोग अस्पतालों में लाया जाता है। हालाँकि, सूचना के अधिकार से पता चला है कि इन रोगियों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए आवश्यक जनशक्ति की कमी है। सूचना अधिकारी कार्यकर्ता चेतन कोठारी द्वारा प्राप्त जानकारी के आधार पर, राज्य के चार मनोरोग अस्पतालों में 2,196 स्वीकृत पदों में से 496 पद रिक्त हैं।

ठाणे मनोरोग अस्पताल में 723 स्वीकृत पदों में से 142 पद खाली हैं। जबकि पुणे मनोरोग अस्पताल में 954 स्वीकृत पदों में से 191, नागपुर मनोरोग अस्पताल में 375 स्वीकृत पदों में से 115 और रत्नागीतारी मनोरोग अस्पताल में 144 स्वीकृत पदों में से 48 खाली हैं। सबसे अधिक रिक्तियां चतुर्थ श्रेणी में हैं। ठाणे मनोरोग अस्पताल में चतुर्थ श्रेणी के सबसे अधिक 107 पद रिक्त हैं और सबसे अधिक पद पुरुष और महिला परिचारकों के रिक्त हैं। पुणे मनोरोग अस्पताल में 136 पुरुष और महिला परिचारक, नागपुर में 90 पद और रत्नागिरी मनोरोग अस्पताल में 19 पुरुष और महिला परिचारक रिक्त हैं। इन पदों के रिक्त होने से चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को यहां मरीजों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

पालघर में महिला का शव पत्थक से बंधा मिला

पालघर : महाराष्ट्र के पालघर में एक 28 वर्षीय महिला का शव एक बड़े पत्थर से बंधा हुआ मिला। पुलिस ने इस घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिला का हाथ और पैर एक बड़े से पत्थर से बंधा हुआ था। महिला का शव सोमवार को सावरे गांव में मिला। महिला की दो साल की बच्ची भी लापता है। पुलिस ने उसे ढूंढने के

लिए तलाशी अभियान चलाया। दोपहर को राह चलते लोगों ने महिला का शव देखा, उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी। घटना की जानकारी पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान सुस्मिता दावरे के तौर पर की गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने के बाद अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com